their multiplication in rice fields.

Opening of a Second Entry Point at Nizamuddin Railway Station

1357. SHRI O.P. KOHLI: Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state:

(a) whether letters have been received by Government from the M.P.s and members of public for opening of second entry at the Nizamuddin Railway Station and linking the same with the Nazamuddin Bridge over the Yamuna river for the benefit of people living in the trans-Yamuna and to reduce congestion on the only one available entry point;

(b) if so, the reaction of Government thereto and by when the second entry is likely to be opened; and

(c) if not, the reasons therefor?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF RAILWAYS (SHRI SATPAL MAHARAJ): (a) Yes, Sir. There is an ongoing work for providing second entry at Nizamuddin Railway Station. The work envisages provision of a 6.2 metre wide foot-over-bridge leading to the circulating area which is to be developed by the State Government of Delhi. This circulating area will be connected with Ring Road by an approach road being provided by the Delhi State Government.

(b) Railways portion of the work is already in progress. The Delhi Government have yet to start the work physically. The target for opening of the second entry would depend on completion of the work by the Delhi State Government.

(c) Does not arise.

प्राथमिक शिक्षा

1358. श्री राम जेठमलानी: क्या मानव संसाधन विकास मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि देश में प्राथमिक विद्यालयों में 6 से 11 वर्ष की आयु वाले 96 प्रतिशत बच्चे तथा 11 से 14 वर्ष की आयु वाले 53 प्रतिशत बच्चे दाखिला लेते हैं;

(ख) यदि नहीं, तो इस संबंध में आंकड़े क्या है;

(ग) क्या यह भी सच है कि इनमें से 30 प्रतिशत से 35 प्रतिशत बच्चे पांचवी कक्षा तक तथा 25 प्रतिशत बच्चे आठवीं कक्षा तक अपनी पढ़ाई जारी रखते हैं;

(घ) यदि नहीं, तो इस संबंध में सरकार का क्या अनुमान है;

(ङ) क्या यह भी सच है कि देश में व्याप्त विभिन्न परिस्थितियों तथा शैक्षणिक प्रणाली प्रभावी न होने के कारण इतनी बड़ी संख्या में बच्चे स्कूल छोड़ देते हैं; और

(च) यदि नहीं, तो इस पर सरकार की क्या प्रतिक्रिया है?

मानव संसाधन विकास मंत्रालय के शिक्षा विभाग में राज्य मंत्री (श्री मुही राम सैकिया): (क) से (घ) इस मंत्रालय द्वारा वर्ष 1994-95 में प्रकाशित किए गए चुनिन्दा शैक्षिक आंकड़ों के अनुसार, देश में प्राथमिक स्तर (6—11 वर्ष) पर सकल नामांकन अनुपात 104 प्रतिशत तथा उच्च प्राथमिक स्तर (11—14 वर्ष) पर 67.2 प्रतिशत है। बच्चों को स्कूलों में बनाए रखने की दर से संबंधित उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार यह दर पहली से पांचवी कक्षा में 63.7 प्रतिशत तथा पहली से आठवीं कक्षा में 47.2 प्रतिशत है।

(ङ) और (च) बच्चों के स्कूल छोड़ने के लिए कई कारण है जिसमें (I) सामाजिक तथा आर्थिक एवं सांस्कृतिक कारण (II) अपर्याप्त मात्रा में स्कूलों का उपलब्ध होना (iii) स्कूलों में पर्याप्त शिक्षकों का न होना (iv) अभिभावकों की अपने बच्चों विशेषरूप से बालिकाओं को शिक्षा दिलाने के प्रति उदासीन होना शामिल है।

मध्य प्रदेश में निजी इंजीयिरिंग कॉलेज खोला जाना

1359. श्री राघवजी: क्या मानव संसाधन विकास मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि सरकार ने मध्य प्रदेश के रायसेन जिले में स्थित सांची में गैर-सरकारी क्षेत्र के अंतर्गत इंजीनियरिंग कॉलेज खोलने की स्वीकृति प्रदान की है, यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या सरकार को इस बात की जानकारी है कि यह कॉलेज सांची में न चलाकर भोपाल में चलाया जा रहा है, यदि हां, तो ऐसी अनुमति प्रदान करने के क्या कारण हैं; और

(ग) इस कॉलेज को चलाने वाली संस्था को अब तक कितना सरकारी अनुदान दिया गया है, इस संस्था को शिक्षा के क्षेत्र में कार्य करने का कितना अनुभव है तथा गैर सरकारी क्षेत्र के अंतर्गत इस संस्था को कॉलेज खोलने की अनुमति देने के क्या कारण हैं?

मानव संसाधन विकास मंत्रालय के शिक्षा विभाग में राज्य मंत्री (श्री मुही राम सैकिया): (क) अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद ने निम्नलिखित डिग्री पाठ्यक्रम शुरू करने के लिए स्व-वित्त पोषित आधार पर प्राच्य विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी संस्थान (ओरिएण्टल इस्टीट्यूट आफ साइंस एण्ड टैक्नोलॉजी) सांची की स्थापनार्थ विचार भारती शिक्षा सोसायटी को स्वीकृति प्रदान की। इन पाठ्यक्रमों में सत्र 1994-95 के लिए प्रत्येक के सामने उल्लिखित वार्षिक प्रवेश-क्षमता दर्शाई गई है:—

मैकेनिकल इंजीनियरिंग—60
इलेक्ट्रीकल इंजीनियरिंग—60
इलेक्ट्रानिक्स इंजीनियरिंग—40
कम्प्यूटर विज्ञान तथा इंजीनियरिंग—40

(ख) राज्य सरकार की सिफारिशों पर अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद् ने दो वर्षों की अवधि के लिए अर्थात् 1995-96 तथा 1996-97 सत्र के लिए भोपाल में अस्थायी तौर पर संस्थान संचालित करने की सोसायटी को अनुमति प्रदान की। सोसायटी/संस्था को यह स्पष्ट तौर पर बता दिया गया था कि संस्थान को शैक्षिक वर्ष 1997-98 से सांची में कार्य अवश्य ही शुरू कर देना चाहिए और भोपाल में संस्थान को जारी रखने के लिए और समय नहीं दिया जाएगा। यह भी स्पष्ट किया जा चुका है कि जब तक संस्थान सांची से अपना कार्य शुरू नहीं कर देता 1997-98 के लिए प्रवेश नहीं दिया जाना चाहिए।

(ग) इस संस्थान को संचालनार्थ कोई अनुदान नहीं दिया गया है तथापि, अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद् ने वर्ष 1995-96 के लिए सेमिनार अनुदान योजना के अंतर्गत 35,000/- रुपये की राशि संस्वीकृत की है।

जहां तक निजी क्षेत्र के अंतर्गत संस्थाओं को अनुमति प्रदान करने का संबंध है, यह राष्ट्रीय शिक्षा नीति और अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद के अनुरूप है कि निर्धारित शर्तें पूरी करने की शर्त पर तकनीकी शिक्षा के क्षेत्र में निजी सहभागिता की अनुमति प्रदान की जानी चाहिए।

Ongoing Railway Projects

1360. SHRIMATI JAYANTI PATNAIK: Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state:

(a) the State wise, details of the ongoing railway projects and the project cost thereof;

(b) the funds spent on each of these projects as on date;

(c) the fund proposed to be released for those projects during 1996-97; and

(d) the progress of each project as on date?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF RAILWAYS (SHRI SATPAL MAHARAJ):

(a) to (d): Details are given below:—

New Line Projects in Progress

No.	Project (State)	Kms	Original Cost (Rs. in crs.)	Original target	Revised cost (Rs. in cr.)	Revised Target	Exp. upto 31.3.96 (Rs. in crs.)	Outlay 96-97 (Rs. in crs.)	Progress
1	2	3	4	5	5	7	8	9	10
1.	Talcher-Sambalpur (Orissa)	174	46.39	12/95	348	TD12/97	192	50	Work is progressing well and would be completed by TD if adequate funds can